संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

सत्यमेव जयते

माननीय संचार मंत्री का संदेश

दिसंबर 2025 संस्करण

नमस्कार,

नए वर्ष की दहलीज पर खड़े होकर 2025 का अध्याय समाप्त करते हुए मैं कृतज्ञता और गर्व के साथ अपनी कलम से आपके लिए यह संदेश लिख रहा हूं। यह वर्ष मात्र उपलब्धियों का वर्ष ही नहीं रहा बल्कि यह सोच में भी बदलाव लाने का वर्ष रहा है। एक ऐसा वर्ष जिसमें भारतीय डाक ने समझा, सीखा और भविष्य की ओर दृढ़ता से कदम बढ़ाया। यह सब हमारे डाक परिवार के सदस्यों के समर्पण, प्रोफेशनलिज़्म और अटूट प्रतिबद्धता के बिना संभव नहीं होता, जो जन-सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर अपना कार्य कर रहे हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय डाक का आधुनिक, प्रौद्योगिकी-सक्षम संस्था के रूप में अपना रूपांतरण जारी है और साथ ही डाक सेवा, जन सेवा के अपने शाश्वत सिद्धांतों पर अडिग है। लास्ट-माइल डिलीवरी को सुदृढ़ करना, नागरिक-केंद्रित सेवाओं का विस्तार करना और डिजिटल एवं वित्तीय समावेशन में प्रगति हमारी यात्रा का अभिन्न अंग रहा है ताकि प्रत्येक भारतीय के लिए दक्ष, विश्वसनीय और सम्मानपूर्वक सेवा सुनिश्चित की जा सके।

अगली पीढ़ी के डाकघरों (नेक्स्ट जेन पोस्ट ऑफिस) के शुभारंभ के माध्यम से युवा भारत के साथ हमारा बढ़ता जुड़ाव इस वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि है। ये नए डाकघर अगली पीढ़ी के साथ एक नए सिरे से संवाद करने का प्रतीक हैं, जो हमें हमारी विरासत से अलग नहीं करते बल्कि ये इसके विकास का हिस्सा है। आईआईटी दिल्ली परिसर में स्थापित पहली अगली पीढ़ी के डाकघर से लेकर एम्स, जम्मू और तमिलनाडु के कोंगु इंजीनियरिंग कॉलेज तथा देशभर में अन्य कई केंद्रों तक, ये केंद्र भारतीय डाक को जिज्ञासा, संपर्क और सहयोग के प्रतीक के रूप में पुनः स्थापित कर रहे हैं।

देशभर में अगली पीढ़ी के 46 डाकघरों का निर्माण कार्य चल रहा है, जो युवाओं तक पहुंचने के एक सुनियोजित और विचारशील प्रयास को प्रतिबिंबित करता है। छात्रों की सक्रिय भागीदारी ही इसे वास्तव में विशिष्ट बनाती है। इन डाकघरों की परिकल्पना, डिजाइन और निर्माण का कार्य छात्रों के विचार, ऊर्जा और सहभागिता से हुआ है। ये हर मायने में छात्रों की परिकल्पना से बनाए गए हैं, छात्रों द्वारा निर्मित हैं और स्पष्ट रूप से उन्हीं के निमित्त हैं। मैं डाक टीम और शैक्षणिक संस्थानों के प्रति दिल से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने युवा प्रतिभाओं को आगे आने और इस साझा विजन को आकार देने के लिए प्रोत्साहित किया।

इन युवा-केंद्रित उपलब्धियों के साथ-साथ, 2025 में प्रौद्योगिकी-संचालित सुधार और सेवा डिलीवरी में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई। आईटी 2.0 के रोलआउट से डाक प्रचालनों की प्रचालन दक्षता में वृद्धि हुई है। साथ ही डिजिपिन जैसी पहलों ने देशभर में सटीक और मानकीकृत डिजिटल पते की नींव रखी। भारतीय डाक ने विस्तारित पासपोर्ट सेवाओं, आधार नामांकन और द्वार पर नागरिक सेवाएं प्रदान करके गवर्नेंस डिलीवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे आवश्यक सेवाएं लोगों के घरों के नजदीक पहुंच गई हैं।

वैश्विक स्तर पर भी भारतीय डाक के नेतृत्व का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। यूपीआई-यूपीयू प्लेटफॉर्म का सफल एकीकरण व एशिया-प्रशांत डाक नेताओं के मंच की भारत द्वारा मेजबानी ने वैश्विक डाक सेवाओं के भविष्य को आकार देने में हमारी बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया और साथ ही भारत के डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया।

इस रूपांतरण के केंद्र में हमारे अपने लोग हैं। प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के केंद्रित प्रयासों ने हमारे कर्मचारियों और ग्रामीण डाक सेवकों को, नए डिजिटल कौशल और सेवा क्षमताओं से लैस किया। इससे यह सुनिश्चित किया गया कि इस सुधार के सार्थक परिणाम मिलें। हमारी पहलों के प्रति जनता की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया हमें आश्वस्त करती है कि हमारी विरासत धूमिल नहीं हो रही है, बल्कि हमारी समर्पित टीमों द्वारा पर्दे के पीछे अपने अथक परिश्रम से इसे नया रूप देकर आगे ले जाया जा रहा है।

नव वर्ष का स्वागत करते हुए, मुझे पूरा विश्वास है कि हम सब मिलकर एक ऐसे भारतीय डाक का निर्माण करना जारी रखेंगे जो विश्वास जगाए, पहुंच बढ़ाए और आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं के अनुरूप हो। आइए उसी नवोन्मेष, समावेशिता और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ें जिसने इस अनूठे वर्ष को परिभाषित किया।

आगामी वर्ष के लिए ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ

सादर,

ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया
संचार मंत्री, भारत सरकार